Date
Page

परामर्शन का अर्थ
(Meaning of Counselling)

परामर्शन एक बहुआयामी प्रक्रिया है जिसमें अनेक उपागमों (approaches) एवं प्रविधियों का उपयोग करके व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास तथा उसके समस्याओं का समाधान करके उसके जीवन को उद्देश्यपूर्ण एवं संतोष-प्रदायी बनाने का सरसक प्रयास किया जाता है। परामर्शन के स्वरूप की व्याख्या करने के लिए बहुत सारी परिभाषाएँ दी गयी हैं जिसमें कुछ प्रमुख परिभाषाएँ निम्न हैं :—

(1) पेरेज (Perez, 1965) के अनुसार :-

"परामर्शन एक अंतःक्रियात्मक प्रक्रिया होती है जो परामर्शी जिसे मदद की आवश्यकता होती है तथा परामर्शदाता जो प्रशिक्षित होता है एवं वह मदद करने के लिए प्रशिक्षित भी होता है, को एक साथ मिलता है।"

Date ______
Page ______

(2) पेपिन्सकी एवं पेपिन्सकी के अनुसार :-

"परामर्शन वैसी अंतः क्रिया होती है जो - (i) दो व्यक्तियों जिसे परामर्शदाता तथा परामर्शी कहा जाता है, के बीच होती है, (ii) एक पेशेवर परिस्थिति में होता है, तथा (iii) जो परामर्शी के व्यवहार में परिवर्तन करने में मदद करने के ख्याल से किया जाता है तथा इसे समपोषित किया जाता है।"

(3) गुस्टैड (Gustad) के अनुसार :-

"परामर्शन एक अधिगम - उन्मुख एवं एक-एक के सरल सामाजिक परिवेश में क्रियान्वित प्रक्रिया है जिसमें सुसंगत मनोवैज्ञानिक दक्षता और ज्ञान में निपुण परामर्शदाता, परामर्शी की आवश्यकताओं और समग्र व्यक्तिक निर्देशन कार्यक्रम के संदर्भ में अधिक स्पष्ट रूप में प्रत्याशित यथार्थपूर्णता के साथ परिभाषित लक्ष्यों के संबंध में इसे अपने अधिगम का उपयोग करने, जिससे कि व्यक्ति समाज का अधिक उत्पादक एवं प्रसन्न सदस्य बन सके, के लिए

मदद करने का प्रयास करता है।"

इन सभी परिभाषाओं तथा अन्य ऐसी ही परिभाषाओं के विश्लेषण करने के बाद, परामर्शन के स्वरूप के बारे में हम निम्नांकित तथ्यों पर पहुंचते हैं।—

(i) परामर्शन परामर्शी (Client) तथा परामर्शदाता के बीच एक अंत: क्रियात्मक प्रक्रिया (interactive Process) होता है।

(ii) परामर्शन एक सतत प्रक्रिया (Continuous Process) होता है जिसमें कई अनुक्रमिक गतिविधियाँ सम्मिलित होती हैं।

(iii) परामर्शन की प्रक्रिया में परामर्शदाता अपने प्रशिक्षण, शिक्षा तथा अनुभव के आधार पर परामर्शी को सहायता प्रदान करता है।

(iv) परामर्शदाता का प्रमुख उद्देश्य परामर्शी के जीवन में ऐसा परिवर्तन लाना होता है जिससे उसके जीवन की सार्थकता में वृद्धि हो सके।